

सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

साप्ताहिक सूचना पत्र

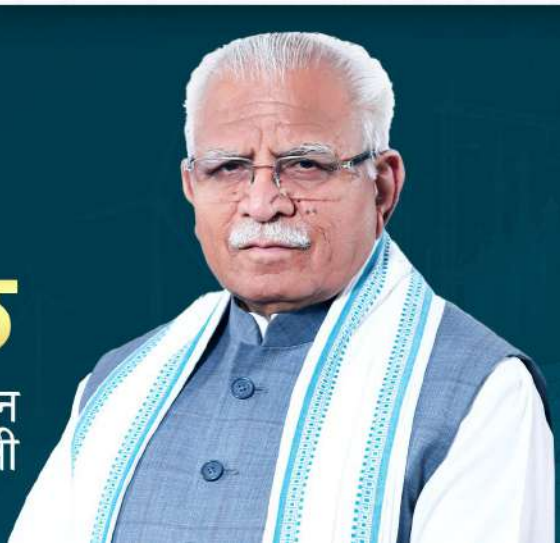
दिनांक 31.10.2026 से 6.11.2026

15वाँ संस्करण



श्री मनोहर लाल

माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन
एवं शहरी कार्य मंत्री



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

सप्ताह की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. **228.57 गीगावाट** की अधिकतम मांग बिना किसी कमी के पूरी की गई

2. केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में **लद्दाख में बिजली आपूर्ति** बहाल करने के लिए **पावरग्रिड की सराहना** की

3. केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में **स्वच्छ ऊर्जा पारगमन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण** अपनाने का आह्वान किया

4. केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने **प्रणालीगत सुधार के लिए निवारक सतर्कता** पहलों पर पुस्तिका जारी की

5. केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने **महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण और ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण** को मजबूत करने की पहलों को मंत्रिमंडल की मंजूरी का स्वागत किया

6. ओडिशा के उपमुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव ने केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल से भेंट की

7. **जलविद्युत परियोजनाओं** के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए SJVN के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने नेपाल में उच्चस्तरीय बैठकें कीं

8. **NTPC** ने राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार पर चर्चा की; वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में **मजबूत वित्तीय प्रदर्शन** दर्ज किया

9. REC ने भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में **नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण** की क्षमता और **ESG उपलब्धियों** को प्रदर्शित किया

साप्ताहिक सूचना पत्र

31.10.2026 से 6.11.2026

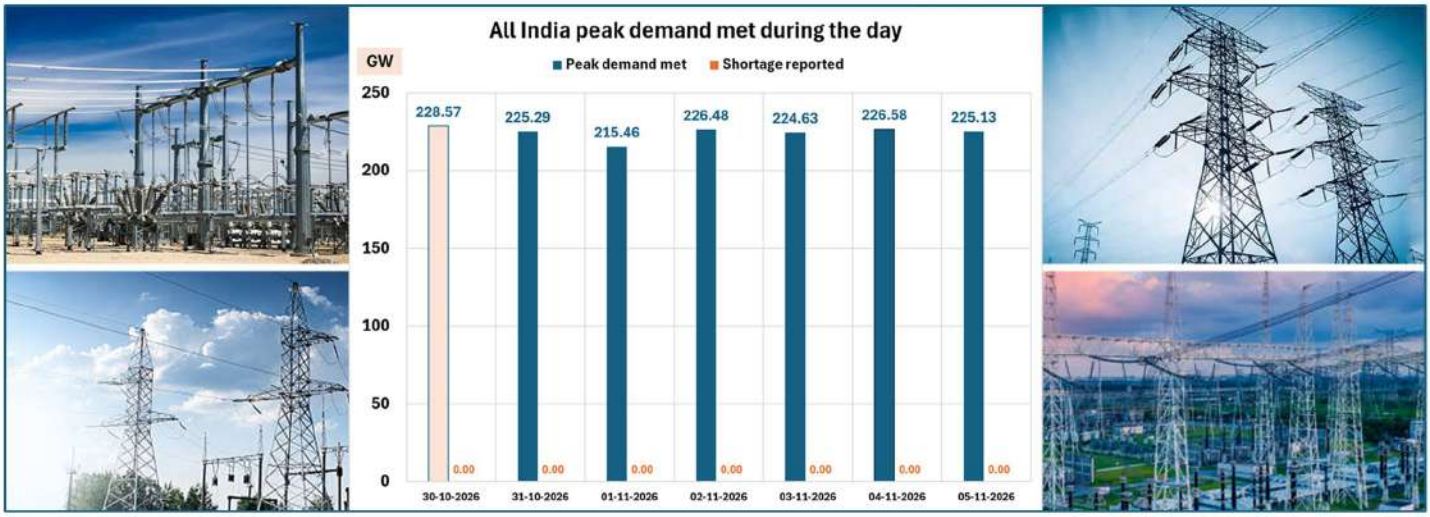
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

5 नवंबर 2026

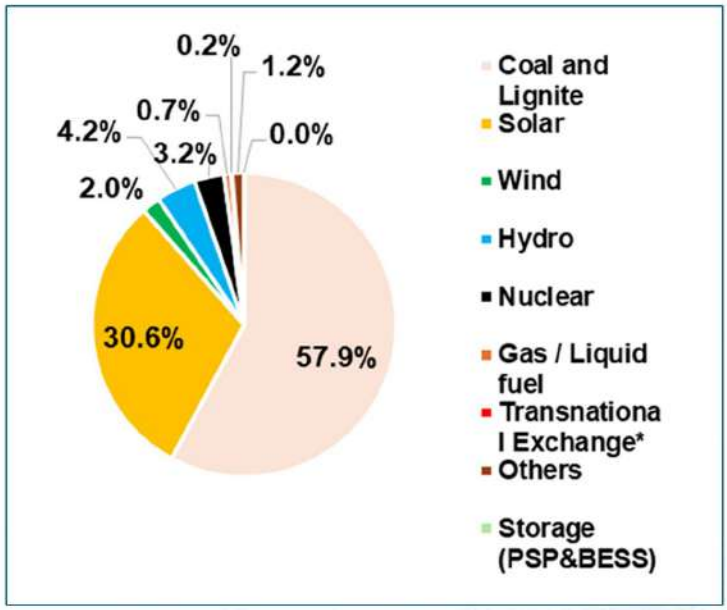
228.57 गीगावाट की अधिकतम मांग बिना किसी कमी के पूरी की गई

नीचे दिया गया चार्ट 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक दर्ज की गई दैनिक अधिकतम विद्युत मांग की पूर्ति और बिजली की कमी को दर्शाता है।



साप्ताहिक अधिकतम मांग के समय कुल विद्युत उत्पादन

Generation source	Generation (GW)	Share of Total generation (%)
Gas / Liquid fuel	1.7	0.7%
Hydro	9.8	4.2%
Nuclear	7.4	3.2%
Coal and Lignite	134.3	57.9%
Wind	4.6	2.0%
Solar	71.0	30.6%
Storage (PSP&BESS)	0.0	0.0%
Others	2.9	1.2%
Transnational Exchange*	0.4	0.2%
TOTAL	**231.9**	**100.0%**



पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अखिल भारतीय स्तर पर अधिकतम मांग की पूर्ति और ऊर्जा खपत में क्रमशः 16.1% और 19.1% की वृद्धि दर्ज की गई।

साप्ताहिक सूचना पत्र

31.10.2026 से 6.11.2026

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

29 अक्टूबर 2026

केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लद्दाख में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए पावरग्रिड की सराहना की





केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण मौसम परिस्थितियों के बावजूद लद्दाख में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए पावरग्रिड की टीम द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

11,800 फीट की ऊँचाई और -10°C तापमान पर पावरग्रिड के इंजीनियरों ने भीषण बर्फीले तूफानों का सामना करते हुए 220 केवी अलुस्तेंग–द्रास ट्रांसमिशन लाइन में आई गंभीर केबल खराबी को बाईपास किया और 29 अक्टूबर 2026 को 1204 बजे तक पूरे लद्दाख में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।

मंत्री जी ने टीम की पेशेवर दक्षता, अटूट संकल्प और प्रत्येक घर को रोशन रखने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने टीम के सदस्यों को ऐसे गुमनाम नायक बताया, जो राष्ट्रसेवा की सर्वोच्च परंपराओं का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

3 नवंबर 2026

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में स्वच्छ ऊर्जा पारगमन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया





केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने भारत के ऊर्जा पारगमन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अगला टेरावाट लक्ष्य केवल अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि सभी के लिए विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित करने हेतु बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकियों और साझेदारियों की भी आवश्यकता होगी। वे नई दिल्ली में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में 'द नेक्स्ट टेरावाट: फ्रॉम नेशनल सक्सेसेज़ टू ग्लोबल सॉल्यूशंस' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री जी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विद्युत क्षेत्र में आए परिवर्तन को रेखांकित करते हुए बताया कि देश की सौर ऊर्जा क्षमता वर्ष 2014 के 2.82 गीगावाट से बढ़कर 168 गीगावाट से अधिक हो गई है, जबकि स्थापित विद्युत क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी लगभग 55% तक पहुँच गई है। उन्होंने ऊर्जा पारगमन को आगे बढ़ाने में ट्रांसमिशन, ऊर्जा भंडारण, ग्रिड की सुदृढ़ता और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति के महत्व पर बल दिया।

श्री मनोहर लाल ने नवोन्मेषी वित्तपोषण, बैंक-योग्य परियोजनाओं, डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित ऊर्जा प्रणालियों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रौद्योगिकी साझाकरण, संयुक्त अनुसंधान, क्षमता निर्माण और साझेदारियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का आह्वान करते हुए उन्होंने जिम्बाब्वे जैसे देशों से सीखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय उपलब्धियों को स्वच्छ, अधिक सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा भविष्य के लिए वैश्विक समाधानों में परिवर्तित होना चाहिए।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

4 नवंबर 2026

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने प्रणालीगत सुधार के लिए निवारक सतर्कता पहलों पर पुस्तिका जारी की



केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली स्थित श्रम शक्ति भवन में प्रणालीगत सुधार के लिए निवारक सतर्कता पहलों पर एक पुस्तिका जारी की।

इस अवसर पर मंत्री जी को अवगत कराया गया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 (26 अक्टूबर से 1 नवंबर) के अंतर्गत विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs) के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (CVOs) ने अपने-अपने संगठनों में किए गए प्रणालीगत सुधारों पर विचार-विमर्श किया। पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत दक्षता को मजबूत करने के प्रयासों को रेखांकित करने के लिए इन पहलों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को इस पुस्तिका में संकलित किया गया है।

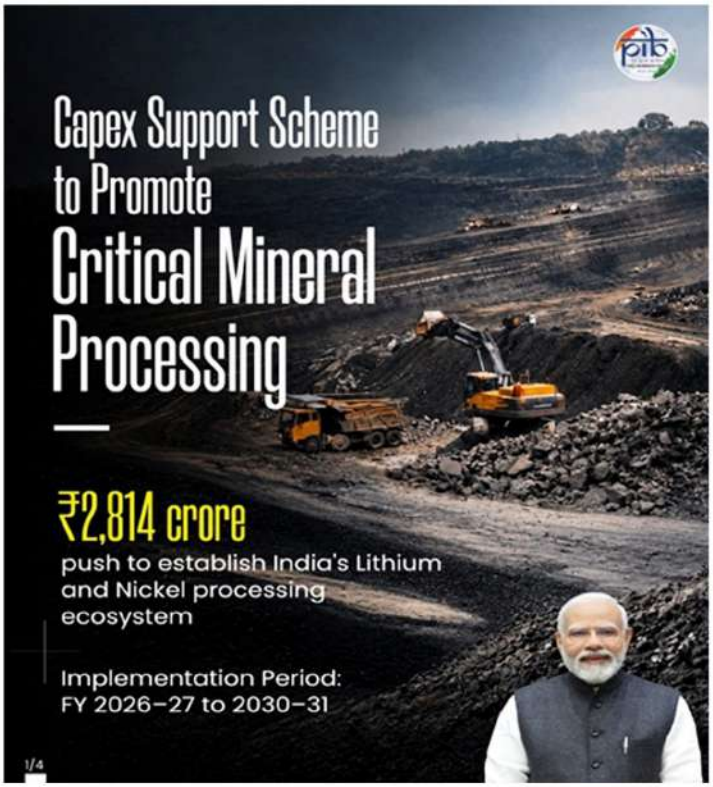
पुस्तिका जारी करने के अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने शपथ ग्रहण समारोह, ऑफलाइन प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिताओं के साथ-साथ MyGov के सहयोग से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया।

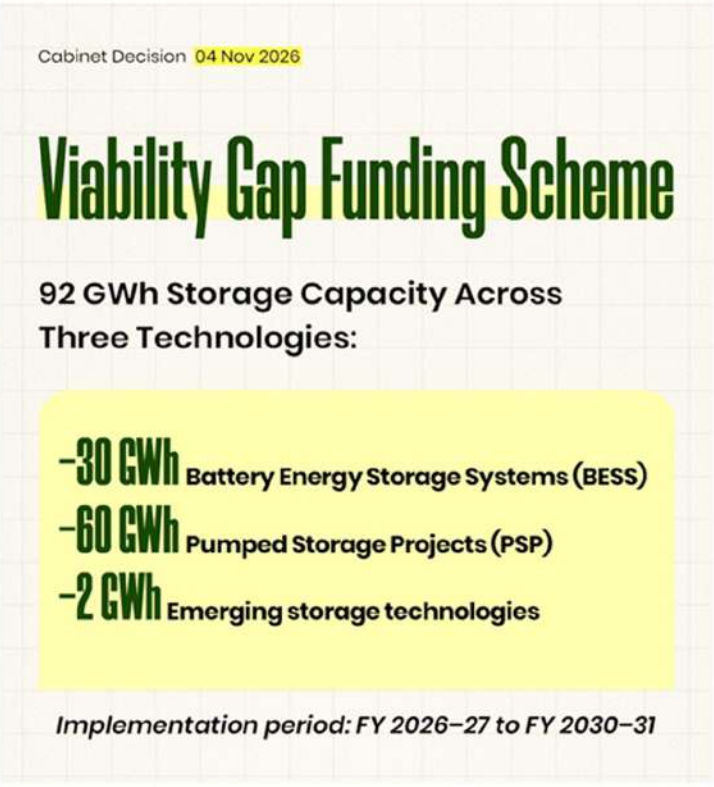
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

4 नवंबर 2026

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण और ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण को मजबूत करने की पहलों को मंत्रिमंडल की मंजूरी का स्वागत किया





केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत की रणनीतिक क्षमताओं, ऊर्जा सुरक्षा, न्याय वितरण और डेटा शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से स्वीकृत कई महत्वपूर्ण पहलों को रेखांकित किया।

मंत्रिमंडल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना के लिए लक्षित पूंजीगत व्यय सहायता प्रदान करने हेतु ₹2,814 करोड़ के परिव्यय वाली महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य स्वदेशी प्रसंस्करण क्षमताओं को मजबूत करना, देश में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और एक सुदृढ़ घरेलू मूल्य श्रृंखला विकसित करना है।

मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक ₹14,500 करोड़ की वित्तीय सहायता के साथ ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना को भी मंजूरी दी। यह योजना 92 गीगावाट-घंटे की नई ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण क्षमता के विकास को सुगम बनाएगी, जिससे भारत का ऊर्जा भंडारण बुनियादी ढाँचा विस्तारित होगा और वर्ष 2031-32 तक 411 गीगावाट-घंटे की अनुमानित आवश्यकता को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

4 नवंबर 2026

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव ने केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल से भेंट की



ओडिशा के उपमुख्यमंत्री, श्री कनक वर्धन सिंह देव ने नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल से भेंट की।

बैठक के दौरान ओडिशा में विद्युत क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों, जिनमें राज्य के विद्युत बुनियादी ढाँचे के विकास और सुदृढ़ीकरण से संबंधित विषय शामिल थे, पर विस्तृत चर्चा हुई।



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

2 नवंबर 2026

जलविद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए SJVN के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने नेपाल में उच्चस्तरीय बैठकें कीं





SJVN के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री भूपेंद्र गुप्ता ने नेपाल में SJVN की जलविद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए काठमांडू में उच्चस्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने माननीय वित्त मंत्री, डॉ. स्वर्णिम वाग्ले; माननीय ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री, श्री बिराज भक्त श्रेष्ठ; तथा निवेश बोर्ड नेपाल (IBN) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री यांकी उक्याब से मुलाकात की। इन बैठकों में वित्त सचिव, IBN के संयुक्त सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

चर्चाओं का केंद्र नेपाल में SJVN की जलविद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाना था। इनमें 900 मेगावाट की अरुण-3 जलविद्युत परियोजना, इससे संबंधित 217 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन और 669 मेगावाट की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना शामिल हैं।

चर्चा के प्रमुख मुद्दों में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना के शेष कार्यों में तेजी लाना, ट्रांसमिशन लाइन के कार्यों को प्रभावित कर रहे भूमि संबंधी मुद्दों और वन मंजूरी की बाधाओं का समाधान करना तथा लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना की निर्माण-पूर्व गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त करना शामिल था।

नेपाल सरकार और SJVN प्रबंधन ने परियोजना-विशिष्ट चुनौतियों के समाधान तथा इन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। SJVN अपनी सहायक कंपनियों SAPDC और SLPDC के माध्यम से जलविद्युत क्षेत्र में भारत-नेपाल सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसका ध्यान क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, टिकाऊ बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास में योगदान देने पर है।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

31 अक्टूबर 2026

NTPC ने राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार पर चर्चा की; वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया

NTPC के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री गुरदीप सिंह ने 29 अक्टूबर 2026 को जयपुर में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, श्री भजन लाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान राज्य में NTPC के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार और राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL) के कोयला आधारित संयंत्रों की दक्षता में सुधार पर चर्चा हुई।

NTPC ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। एकल आधार पर, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में कुल आय 15.12% बढ़कर ₹46,842 करोड़ हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में ₹40,689 करोड़ थी। कर पश्चात लाभ (PAT) 14% बढ़कर ₹5,320 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में ₹4,653 करोड़ था। यह वृद्धि मुख्य रूप से अधिक विद्युत उत्पादन और बेहतर परिचालन दक्षता के कारण हुई। 30 सितंबर 2026 को समाप्त छमाही के लिए एकल आधार पर PAT पिछले वर्ष की इसी अवधि के ₹9,428 करोड़ से 13% बढ़कर ₹10,662 करोड़ हो गया।





समेकित आधार पर, NTPC समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में ₹7,351 करोड़ का PAT दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह ₹5,225 करोड़ था। इस प्रकार 40.68% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर 2026 को समाप्त छमाही के लिए समेकित PAT पिछले वर्ष की इसी अवधि के ₹11,334 करोड़ से 25.70% बढ़कर ₹14,247 करोड़ हो गया।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान NTPC के कोयला आधारित संयंत्रों ने 75.11% का प्लांट लोड फैक्टर (PLF) हासिल किया, जबकि भारत के शेष हिस्सों में कोयला आधारित संयंत्रों का PLF 68.35% रहा। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 30% के बराबर, यानी प्रति इक्विटी शेयर ₹3 का पहला अंतरिम लाभांश भी घोषित किया।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

REC ने भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण की क्षमता और ESG उपलब्धियों को प्रदर्शित किया

REC लिमिटेड ने भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो 2026 में भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में अपने महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर कंपनी ने ₹86,660 करोड़ के अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो और रणनीतिक वित्तपोषण के माध्यम से टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका को रेखांकित किया।



REC कियोस्क का दौरा भारत सरकार के माननीय केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के अध्यक्ष, श्री प्रल्हाद जोशी ने किया। REC के अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कियोस्क में प्रदर्शित अनुभवात्मक इंस्टॉलेशनों का अवलोकन किया, जिनमें कंपनी की प्रमुख वित्तीय उपलब्धियों, नवीकरणीय ऊर्जा पहलों और ESG उपलब्धियों को दर्शाया गया था।

इस सहभागिता के माध्यम से REC ने भारत की नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी महत्वाकांक्षाओं के वित्तपोषण और देश के टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की ओर संक्रमण को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

हिंदुस्तान

(3 नवंबर, 2026)

हर सरकारी भवन-अस्पताल को सौर ऊर्जा से जोड़ना होगा: मोदी

आह्वान



नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर सरकारी भवन, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल को सौर ऊर्जा से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले दस साल में करीब 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने यह बात भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सोमवार को कहीं। मोदी ने निवेशकों से भारत में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि देश में राजनीतिक और नीतिगत स्थिरता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के पर्याप्त अवसर हैं। बैटरी भंडारण क्षमता हासिल करने पर जोर देते हुए कहा कि दशक के अंत तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के अवसर पैदा होंगे। इस वक्त भारत 300 गीगावाट से अधिक स्वच्छ ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल कर चुका है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत वर्ष 2030 से पहले 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य हासिल कर लेगा। इसके साथ उन्होंने अगले वर्षों का भी लक्ष्य सामने रखा।

पश्चिम एशिया संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस संकट के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है। भारत अगले 10 से 11 वर्षों में करीब 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर भारत ने बीते दस वर्षों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित नहीं की होती, तो देश में ऊर्जा संकट दुनिया के अन्य क्षेत्रों के मुकाबले अधिक गंभीर हो सकता था। कहा कि भारत अब सौर और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है।

बैटरी भंडारण की नई क्षमता तैयार करने पर जोर : प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को स्वदेशी ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने और बैटरी भंडारण की नई क्षमता तैयार करने की जरूरत है। ऊर्जा सुरक्षा का भविष्य स्वच्छ ऊर्जा में निहित है। देश में 44,000 से अधिक सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। इनसे हर साल करीब 700 करोड़ की बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री पांच नवंबर को नीति आयोग के नए नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान वह उन मुद्दों की जानकारी लेंगे, जिन पर आयोग के सदस्य काम कर रहे हैं।

हरित ऊर्जा गलियारे से दूसरे क्षेत्रों तक जाएगी बिजली

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा। देश ने सालाना 50 लाख टन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है। उन्होंने हरित ऊर्जा गलियारे (अंतरराज्यीय पारेषण लाइन) का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आने वाले समय में विकसित होने वाली नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से उत्पादित बिजली को दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री आज पुणे मेट्रो की लाइन-3 का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पुणे मेट्रो की लाइन-3 (पिंक लाइन) का उद्घाटन करेंगे। साथ ही दूसरे चरण के तहत चार नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे, जिन पर करीब 21,800 करोड़ का निवेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 23 किलोमीटर लंबे पिंक लाइन कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। इसे 8,300 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है।

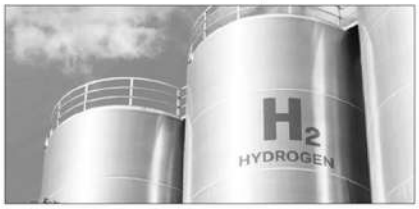
लोकसत्य

(31 अक्टूबर, 2026)

ग्रीन हाइड्रोजन से बदलेगी भारत की ऊर्जा तस्वीर, 2030 तक एक लाख करोड़ की बचत

भारत ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्रीन हाइड्रोजन पर अपना दांव मजबूत किया

गौरव चोपरा



नई दिल्ली, लोकसत्य। खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्रीन हाइड्रोजन पर अपना दांव मजबूत किया है। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक सालाना 50 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। सरकार का अनुमान है कि इससे जीवाश्म ईंधनों के आयात पर होने वाले खर्च में करीब एक लाख करोड़ रुपये सालाना की बचत हो सकती है।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, इस मिशन का उद्देश्य आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने के साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। इस महत्वाकांक्षी योजना से आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित होने और छह लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने से प्रतिवर्ष करीब पांच करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। इससे जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल ने अलग-अलग नीतियां अधिसूचित की हैं। वहीं हरियाणा, पंजाब, बिहार और केरल में नीतियां तैयार की जा रही हैं।

भारत ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, सऊदी अरब सहित कई देशों के साथ इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहा है। सरकार ने प्रमाणन व्यवस्था भी शुरू की है, ताकि भारतीय ग्रीन हाइड्रोजन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विश्वसनीय पहचान मिल सके।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

हिंदुस्तान
(4 नवंबर, 2026)

पावरग्रिड ने 3,866 करोड़ का लाभ किया

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में समेकित आधार पर 3,866 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में आठ फीसदी अधिक है। दूसरी तिमाही में कंपनी ने एकल आधार पर 3,819 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ और 11,900 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की। वहीं, समेकित आधार पर कंपनी का कर पश्चात लाभ 3,866 करोड़ रुपये रहा।

हिंदुस्तान
(31 अक्टूबर, 2026)

रिन्यूबल एनर्जी में निवेश को लेकर भरोसा और बढ़ा

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारत की नीतियों से रिन्यूबल एनर्जी में निवेश को लेकर भरोसा बढ़ा है। इससे भारत और रिन्यूबल ऊर्जा में उभरते अन्य विकासशील देशों में 2040 तक 356 अरब डॉलर का निवेश होने की संभावना है। ज़ीरो कार्बन एनालिटिक्स की नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में सोलर और विंड एनर्जी का विस्तार केवल नई परियोजनाएं लगाने से नहीं हुआ। इसके पीछे ऐसी नीतियों और नियमों की भूमिका भी रही है, जिन्होंने निवेशकों के सामने मौजूद कई जोखिम कम किए। जमीन की उपलब्धता, बिजली को ग्रिड तक पहुंचाना, बिजली खरीदने वाली कंपनियों से समय पर भुगतान और परियोजनाओं के लिए लंबी अवधि की स्पष्टता। इन कदमों ने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में निवेश का रास्ता आसान किया है।

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-फॉसिल फ्यूल क्षमता का लक्ष्य रखा था। रिपोर्ट के अनुसार, देश 2025 में कुल ग्रिड क्षमता के 500 गीगावाट के स्तर तक पहुंच गया और अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान में तय 50% गैर-जीवाश्म क्षमता का लक्ष्य पाँच साल पहले ही हासिल कर चुका है।

अर्थ प्रकाश
(6 नवंबर, 2026)

एनएचपीसी के छमाही मुनाफे में 32 प्रतिशत की वृद्धि, 2,639 करोड़ रुपये पर पहुंचा

दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत बढ़कर 1,525 करोड़ रुपये हुआ; विद्युत उत्पादन में भी 27 प्रतिशत का उछाल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। एनएचपीसी लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के नवरत्न उद्यम एनएचपीसी के निदेशक मंडल ने 4 नवंबर, 2026 को आयोजित बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की।

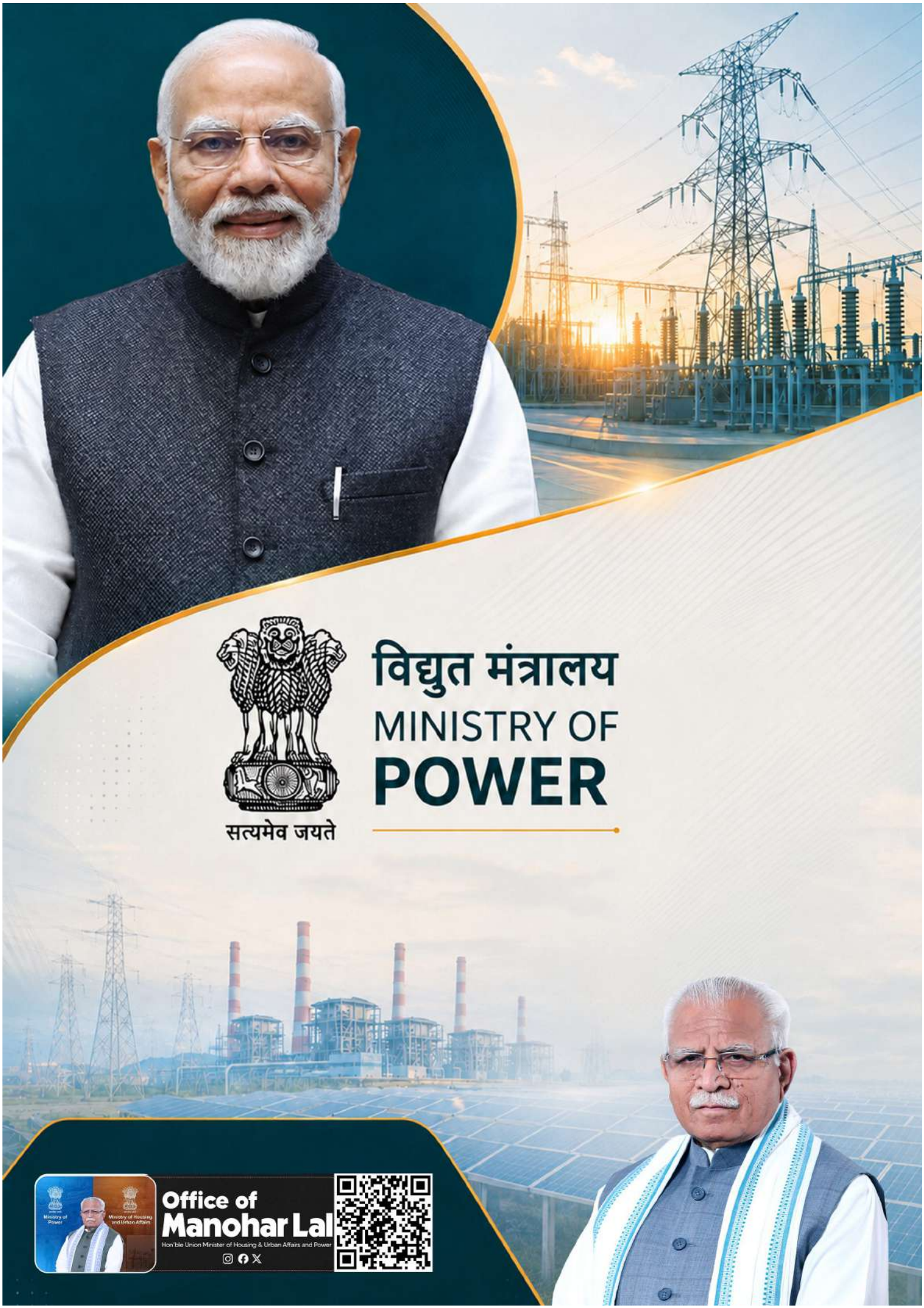
कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 2,639 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1,997 करोड़ रुपये था। इस प्रकार कंपनी के शुद्ध लाभ में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत बढ़कर 1,525 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 926 करोड़ रुपये था।

कंपनी का परिचालन से राजस्व चालू वित्त वर्ष की दूसरी



तिमाही में 51 प्रतिशत बढ़कर 4,125 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,732 करोड़ रुपये था। राजस्व में इस बढ़ोतरी का प्रमुख कारण सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना का आंशिक रूप से चालू होना, तीस्ता-डू पावर स्टेशन से वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन दोबारा शुरू होना तथा पार्बती-II पावर स्टेशन का बेहतर उत्पादन प्रदर्शन रहा।

एनएचपीसी ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान अब तक का सर्वाधिक 21,469 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में हुए उत्पादन की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। विद्युत उत्पादन में यह बढ़ोतरी कंपनी की परिचालन क्षमता और विभिन्न बिजली परियोजनाओं के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। वहीं, 30 सितंबर, 2026 को समाप्त दूसरी तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ (कंपनी के हिस्से का) 1,549 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,021 करोड़ रुपये था। इस प्रकार समेकित लाभ में 52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। समेकित आधार पर एनएचपीसी की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता वर्तमान में 9,583 मेगावाट है। इसमें कंपनी के 31 पावर स्टेशनों की क्षमता शामिल है। इसके अतिरिक्त पवन और सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी कंपनी विद्युत उत्पादन कर रही है। कंपनी के वित्तीय परिणामों में दर्ज वृद्धि और विद्युत उत्पादन के नए रिकॉर्ड को उसकी विकास यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।


सत्यमेव जयते
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
Office of
Manohar Lal
Hon'ble Union Minister of Housing & Urban Affairs and Power